NAAC ACCREDIATED GRADE-'A'

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)

E-mail : gyanmv@gmail.com Mob. :9219419405
website : www.gyanmahavidhyalaya.com

ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन
जनवरी 2014 से अप्रैल 2014 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

श्रीमती आशा देवी
संरक्षिका

श्री दीपक गोयल
सचिव

डा. वाई. के. गुप्ता
प्राचार्य

डा. एस. एस. यादव
उप प्राचार्य

सम्पादक मण्डल

1. डा. खजान सिंह
2. श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी
3. डा. रेखा शर्मा
4. डा. रत्न प्रकाश
5. श्री नवीन वार्ष्णेय

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्री गणेश के लिए विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। आमंत्रित अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिन्ह देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी प्रथा है।

भूगोल में अतिथि व्याख्यान : 10 जनवरी, 2014 को पी.सी. बागला महाविद्यालय, हाथरस में भूगोल के एसोसिएट प्रोफेसर डा. एस.एल. गुप्ता ने ज्ञान महाविद्यालय आकर स्वराज्य सभागार में अतिथि व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय **'पर्यावरण अवनयन और उसके दुष्प्रभाव'** था। डा. गुप्ता ने कहा कि यह विषय जन सामान्य के सोचने-विचारने का है। आज मनुष्य उपलब्ध संसाधनों का सर्वाधिक उपयोग कर रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी के निम्नांकित कथन की विश्लेषणात्मक व्याख्या की, **"हमारी धरती माता पूरी जनसंख्या की सभी जरूरतों को पूरा कर सकती है, लेकिन एक भी व्यक्ति के लालच को पूरा नहीं कर सकती"** उन्होंने आगे कहा कि पिछले दो दशकों में पर्यावरण का अत्यधिक निर्मम दोहन हुआ है। अतिथि वक्ता ने धार्मिक नदियों में सिक्के डालना तथा वृक्षों की पूजा का वैज्ञानिक आधार पर विश्लेषण किया और अत्यधिक जनसंख्या वृद्धि, तीव्र औद्योगिक विकास, आधुनिक तकनीक, अनियोजित विकास एवं ऊर्जा के संसाधनों के अत्यधिक प्रयोग को पर्यावरण अवनयन के लिए जिम्मेदार बताया, साथ ही हरितगृह एवं वैश्विक ऊष्मीकरण, वन विनाश, जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियर्स के पिघलने व प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली हानियों पर विस्तार से चर्चा की और विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। कार्यक्रम का संयोजन डा. सोमवीर सिंह ने किया तथा मंच का संचालन डा. विवेक मिश्र एवं डा. ललित उपाध्याय ने किया।

मकर संक्रान्ति पर्व पर अमर उजाला के 'बेटी ही बचाएगी अभियान' का आयोजन : 13 जनवरी, 2014 को मकर संक्रान्ति के अवसर पर ज्ञान महाविद्यालय परिसर में अमर उजाला के **'बेटी ही बचाएगी अभियान'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मथुरा के उद्योगपति श्री मुरारीलाल अग्रवाल, श्रीमती प्रीति अग्रवाल एवं महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल के साथ-साथ सभी प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्रीमती प्रीति अग्रवाल ने दहेज को बेटा-बेटी में भेदभाव का मुख्य कारण बताया तथा बेटा-बेटी के बीच भेदभाव न करने की सभी से अपील की। श्री मुरारीलाल अग्रवाल ने कहा कि लिंगानुपात कम होने से अपराध बढ़

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, सचिव, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डा. गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उपप्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी विभागों के अध्यक्ष तथा प्राध्यापक एवं सभी संकायों के विद्यार्थी यथासंभव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया सम्बन्धी कार्यों का निर्वहन डा. ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में डा. रेखा शर्मा की अहम् भूमिका रहती है।

Scanned by CamScanner

रहे हैं। सचिव महोदय ने कहा कि यदि बेटी नहीं होगी तो हम भी नहीं होंगे। उन्होंने मदर्स डे एवं सिस्टर्स डे की प्रासंगिकता का भी उल्लेख किया। उपस्थित प्राध्यापकों व विद्यार्थियों ने खिचड़ी एवं रेवड़ियाँ खाईं। कालिज के प्राध्यापकों ने अलीगढ़ स्थित मदर टेरेसा अनाथाश्रम पहुँचकर सभी आश्रमवासियों को खिचड़ी पकाने के लिए दाल-चावल आदि दान दिए। खिचड़ी आदि की पूरी व्यवस्था ज्ञान परिवार ने की। कार्यक्रम का संयोजन व मंच संचालन डा. ललित उपाध्याय ने किया।

हिन्दी विभाग में अतिथि व्याख्यान : 17 जनवरी, 2014 को धर्मसमाज महाविद्यालय, अलीगढ़ में हिन्दी की एसोसिएट प्रोफेसर डा. वेदवती राठी ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **'आधुनिकता बनाम परम्परा'** विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। डा. राठी ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के अनुसार 'खाओ-पीओ और मौज करो' की संस्कृति ही आधुनिकता है। वर्तमान में हमारे देश में एक खास वर्ग आधुनिकता के नाम पर फूहड़पन, फजूलखर्ची तथा अपने वैभव का प्रदर्शन कर रहा है, लेकिन हमारे देश में जो हमारी परम्परा, संस्कृति तथा समाज के हित में है, वही हमारी आधुनिकता है। हमारी संस्कृति चिन्तन प्रधान है और उसका आधार वैज्ञानिक है। उन्होंने भारतीय त्योहारों को मनाने की प्रक्रिया का सामाजिक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से विश्लेषण किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन हिन्दी की प्राध्यापिका डा. बीना अग्रवाल ने किया। डा. विवेक मिश्र ने अतिथिवक्ता का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने की।

अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान : 24 जनवरी, 2014 को धर्मसमाज महाविद्यालय, अलीगढ़ में अंग्रेजी की एसोसिएट प्रोफेसर डा. बीना अग्रवाल ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **'Need of English Language in the Era of Globalization'** विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने कहा कि अंग्रेजी का ज्ञान भाषा, संस्कृति तथा साहित्य के लिए आवश्यक है और वैश्वीकरण का उद्देश्य पूरे विश्व में शैक्षिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक एकता लाना

है। इसलिए वर्तमान परिवेश में वैश्विक संचार हेतु अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में नौकरी करने तथा इण्टरनेट पर उपलब्ध जानकारी का लाभ लेने के लिए अंग्रेजी का ज्ञान होना आवश्यक है। उन्होंने अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान हासिल करने के सरल तरीके बताये तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर भी दिये। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन अंग्रेजी के प्राध्यापक डा. के. पी. सिंह ने किया तथा प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने अतिथिवक्ता का आभार व्यक्त किया।

गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन : 26 जनवरी, 2014 को महाविद्यालय परिसर में **'गणतंत्र दिवस'** समारोह हर्षोल्लास से मनाया गया। प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। [illegible] उप प्राचार्य, ज्ञान आई.टी.आई. के उप प्राचार्य श्री मुकेश [illegible], डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ, डा. विवेक मिश्र, डा. विकेश चन्द्र गुप्ता, श्री [illegible] सिंह, डा. बबिता यादव, डा. के. पी. सिंह, डा. ललित उपाध्याय तथा डा. रत्न प्रकाश आदि वक्ताओं ने स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों तथा शहीदों को नमन करते हुए स्वतन्त्रता प्राप्ति में किए गए उनके योगदान की सराहना की तथा उनसे सम्बन्धित प्रेरक प्रसंगों का जिक्र किया। छात्र अभिषेक गर्ग ने भी अपने विचार व्यक्त किये। मंच का संचालन डा. ललित उपाध्याय ने किया। अन्त में राष्ट्रगान के बाद उपस्थित लोगों को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान : 27 जनवरी, 2014 को धर्मसमाज महाविद्यालय, अलीगढ़ में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डा. अजय कुमार तौमर ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **'वर्तमान परिस्थिति में अर्थशास्त्र एवं अर्थशास्त्री** की भूमिका' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। डा. तौमर ने बताया कि हर काम की अपनी इकोनोमिक्स है। उन्होंने अधिकतम संतुष्टि के लिए सीमित संसाधनों का विवेक पूर्ण ढंग से उपयोग करने पर जोर दिया तथा एडमस्मिथ, मार्शल, रोबिन्स तथा माल्थस के विचारों की उपयोगिता का वर्णन करते हुए माँग, पूर्ति, उपयोगिता ह्रास नियम और तटस्थता वक्र आदि अर्थशास्त्र के नियमों की भी व्याख्या की। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन डा. विकेशचन्द्र गुप्ता ने किया तथा उप प्राचार्य डा. एस. एस. यादव ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

वनस्पति विज्ञान विभाग का शैक्षिक भ्रमण : 27 जनवरी, 2014 को बी.एस-सी. प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के किला स्थित वनस्पतीय उद्यान में ले जाया गया। वहाँ विद्यार्थियों ने ग्रीन हाउस में मौस, फर्न, मनीप्लान्ट्स तथा हाइड्रला प्लान्ट्स आदि देखे। कैक्ट्स हाउस में विभिन्न प्रकार के कैक्टस भी विद्यार्थियों ने देखे। वहाँ के प्रभारी जनाब नसीम अहमद ने सभी प्लान्ट्स के बारे में जानकारी दी। इस भ्रमण में वनस्पति विज्ञान की

वरिष्ठ प्राध्यापिका डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ तथा डा. सुहेल अनवर, जन्तु विज्ञान के प्राध्यापक डा. प्रमोद कुमार व प्रशासक श्रीमती डेजीरानी आदि भी विद्यार्थियों के साथ रहे।

Scanned by CamScanner

लोकगीत व नृत्य पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम : 28 जनवरी, 2014 को क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति विभाग (उ.प्र. सरकार) तथा ज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में स्वराज्य सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र के श्री आर. पी. गौड़ तथा डा. सीमा मोरवाल के निर्देशन में किया गया। सांस्कृतिक केन्द्र के कलाकार तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के लोकगीत व नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति कर उपस्थित व्यक्तियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अलीगढ़ की महापौर श्रीमती शकुन्तला भारती ने भी कजरी सुनाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, ए.एम.यू. की डा. रेशमा जमाल तथा डा. गौतम गोयल जी ने पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहकर कलाकारों

का मनोबल बढ़ाया। मंच का संचालन डा. रेखा शर्मा ने किया। अन्त में सचिव महोदय ने सभी कलाकारों को बधाई दी।

यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, ए.एम.यू. में यू.जी.सी. द्वारा आयोजित पुनर्बोध कोर्स में सहभाग : 27 जनवरी से 15 फरवरी, 2014 तक "Research Methadology in Social Science" विषयक पुनर्बोध कोर्स का आयोजन ए.एम.यू., अलीगढ़ में किया गया, जिसमें जम्मू, कश्मीर, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, असम, नागालैण्ड और महाराष्ट्र आदि प्रदेशों के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 40 प्राध्यापकों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञ के रूप में देश के लगभग 30 विद्वानों ने उक्त 40 सहभागियों से चर्चा करके उन्हें निम्नांकित विषयों पर नवीनतम जानकारी दी–

1. Introduction to Research
2. Referencing
3. Quantitative Research
4. Research Methods
5. Basic of Research
6. Report Writing
7. Writing Research Proposal
8. Art of Writing
9. Documentation
10. Language issues
11. Research Designs
12. Thesis Writing
13. Qualitative Research
14. Sampling
15. Objective of Research
16. Hypothesis Building
17. Data Collection
18. Editing in Research
19. Survey Research
20. Ethics in Research

- हमारे महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती सरिता याज्ञनिक, श्रीमती शिवानी सारस्वत तथा श्रीमती पूनम माहेश्वरी ने उक्त पुनर्बोध कोर्स में सक्रिय रूप से भाग लिया।

माई लिविंग आईकॉन प्रतियोगिता का आयोजन : 29 जनवरी, 2014 को इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एण्ड कल्चरल हैरिटेज (इनटेक), नई दिल्ली तथा ब्रजभूमि क्षेत्रीय चेप्टर, मथुरा द्वारा हमारे महाविद्यालय के सहयोग से इनटेक ब्रजभूमि क्षेत्रीय चेप्टर के संयोजक श्री दीपक गोयल जी के निर्देशन में **"माई लिविंग आईकॉन"** पर निबन्ध एवं पेन्टिंग प्रतियोगिताएं अलीगढ़ के सरस्वती विद्या मन्दिर उ. मा. विद्यालय तथा रघुवीर सहाय इण्टर कालेज में आयोजित की गयीं। इन प्रतियोगिताओं में पद्मभूषण डा. गोपालदास नीरज पर कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों से निबन्ध लिखवाया गया तथा नीरज के चित्र की पेन्टिंग बनवाई गयी। इस प्रतियोगिता के आयोजन में उक्त दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य क्रमशः श्री अनिल कुमार दीक्षित एवं डा. आर. पी. वार्ष्णेय का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिताओं का संयोजन हमारे महाविद्यालय के डा. ललित उपाध्याय ने अपने महाविद्यालय के डा. खजान सिंह, श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी, श्री लखमीचन्द्र, श्री

नीरेश बाबू, श्री गिर्राज किशोर एवं कु. शालिनी शर्मा के सक्रिय सहयोग से किया।

रसायन विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 30 जनवरी, 2014 को डी.एस. कालिज, अलीगढ़ में रसायन विज्ञान की एसोसिएट प्रोफेसर श्रीमती अंजुल सिंह ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **"वान्डिंग इन मालिक्यूल्स"** विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथिवक्ता ने कहा कि रसायन विज्ञान में बन्धों का बहुत महत्व है, रसायनिक बन्ध एक आकर्षण है। उन्होंने आयनिक बन्ध, सहसंयोजक बन्ध तथा उप सहसंयोजक बन्ध पर चर्चा की और बताया कि लिगैण्ड वहीं होगा, जिसके पास लोन पेयर इलेक्ट्रान होंगे, प्रतिवर्षण ज्यादा होने पर वान्डिंग नहीं होगी, ज्यादा आकर्षण होने पर वान्डिंग होगी। उन्होंने वी.बी.टी. वेग पर एम.ओ.टी. आदि सिद्धान्तों एवं संकरण की विस्तृत व्याख्या की। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने की व मंच का संचालन एवं संयोजन डा. एस.एस. यादव ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना : हमारे महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की एक इकाई है। डा. बी. डी. उपाध्याय एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी हैं। 18 फरवरी, 2014 को एन.एस. एस. के एक दिवसीय चौथे शिविर का आयोजन ग्राम सभा रुस्तमपुर सकत खाँ, नगला मंदिर में किया गया। इसी गाँव में दिसम्बर, 2013 में एक-एक दिवसीय तीन शिविरों का आयोजन किया जा चुका है। 29.01.2014 से 04.02.2014 तक नगला मंदिर के प्राथमिक विद्यालय में **सात दिवसीय विशेष शिविर** का आयोजन किया गया। स्वेच्छा सेवियों ने

Scanned by CamScanner

एन.एस.एस. के उद्देश्यों के अनुसार ग्रामीणों के साथ मिलकर स्वास्थ्य, सफाई, शिक्षा, मतदान, स्त्री-पुरुष समानता, वृक्षारोपण तथा रक्तदान से सम्बन्धित जागरूकता के कार्य किए। स्वास्थ्य, सफाई एवं

वृक्षारोपण आदि से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य भी किए। श्री अब्दुल वासित फारूखी शहरी स्वास्थ्य परियोजना अधिकारी, अलीगढ़ ने शिविर में आकर स्वेच्छासेवियों तथा ग्रामीणों को टीकाकरण, परिवार नियोजन तथा स्वास्थ्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। भूगोल के प्राध्यापक डा. सोमवीर सिंह ने जल संरक्षण पर शिविर में शिविर सहभागियों तथा ग्रामीणों से चर्चा की। डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के एन.एस.एस. के समन्वयक डा. रामवीर सिंह व श्री शिवप्रकाश मिश्र ने शिविर का औचक निरीक्षण किया तथा एन. एस.एस. सम्बन्धी अपने अनुभव शिविर सहभागियों को बताये। शिविर के दौरान स्वेच्छा सेवियों ने प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण, मद्य निषेध तथा कन्या भ्रूण हत्या से सम्बन्धित नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया। शिविर के समापन समारोह में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. के समन्वयक डा. मुहम्मद यामीन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने अपने समापन भाषण में आशा व्यक्त की कि सभी स्वेच्छा सेवी शिविर के दौरान किए गए कार्यों को अपने जीवन का अंग बनाएंगे। मुख्य अतिथि ने शिविर के कार्यों में सक्रिय सहयोग के लिए ग्राम प्रधान, प्राथमिक विद्यालय की अध्यापिकाओं तथा एक जागरूक ग्रामीण को सम्मानित किया। शिविर के संचालन में प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डा. एस. एस. यादव, प्रबन्धक श्री मनोज यादव व प्राध्यापक डा. विवेक मिश्र, डा. हीरेश गोयल, डा. सोमवीर सिंह तथा डा. ललित उपाध्याय का विशेष सहयोग रहा।

वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान: 3 फरवरी, 2014 को राजकीय महाविद्यालय, मांट, जिला मथुरा के प्राचार्य डा. जी.एस. मोदी ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **"भारत के आर्थिक विकास में ई कॉमर्स का योगदान"** विषय पर व्याख्यान दिया। डा. मोदी ने बताया कि ई लर्निंग के बारे में नई पीढ़ी के लोग पुरानी पीढ़ी के लोगों से आगे हैं। उन्होंने ई कॉमर्स की प्रासंगिकता बताते हुए आधुनिक प्रतिस्पर्धा के दौर में वाणिज्य के विद्यार्थियों को ई-कॉमर्स शिक्षा अपनाने पर अधिक जोर दिया। उन्होंने आगे बताया कि इस पद्धति को अपनाने से कागज का उपयोग कम हो गया है तथा दुनिया के एक हिस्से में बैठकर लोग दुनिया के दूसरे हिस्से में अपने व्यवसाय का सफल संचालन कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। मंच

का संचालन विभागाध्यक्ष डा. जे. के. शर्मा ने किया तथा अन्त में प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

वार्षिक खेलकूद सप्ताह का आयोजन : ज्ञान महाविद्यालय परिसर स्थित खेल के मैदान में 5 फरवरी, 2014 से 10 फरवरी, 2014 तक **'खेल सप्ताह'** का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में जिला क्रीड़ाधिकारी श्री आले हैदर तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रवक्ता श्री अहसान अहमद खान अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि खेलकूद से खिलाड़ी के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है, उन्होंने खिलाड़ियों को सलाह दी कि वे मात्र खेल, खेल भावना से खेलें। मुख्य अतिथि ने कहा कि जीवन में स्वस्थ तथा अनुशासित रहने के लिए खेलकूद आवश्यक है, इससे भाईचारा बढ़ता है और व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता हासिल करता है। खेल सप्ताह के दौरान ज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच निम्नांकित खेल प्रतियोगिताएं कराई गयीं -

- खो-खो (महिला वर्ग), कबड्डी (पुरुष वर्ग), रस्साकसी (महिला एवं पुरुष वर्ग), क्रिकेट (पुरुष वर्ग), 100 तथा 200 मीटर की दौड़ (महिला एवं पुरुष वर्ग), लम्बी कूद (पुरुष एवं महिला वर्ग), हेमर फैंक (पुरुष वर्ग), गोला फैंक (पुरुष एवं महिला वर्ग), तश्तरी फैंक (पुरुष एवं महिला वर्ग), भाला फैंक (पुरुष एवं महिलावर्ग), बैडमिन्टन (महिला वर्ग), शतरंज (महिला एवं पुरुष वर्ग), कैरम (महिला एवं पुरुष वर्ग), टेबिल टेनिस (महिला एवं पुरुष वर्ग) आदि।
- 10 फरवरी, 2014 को खेल सप्ताह का समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अलीगढ़ के डिवीजनल फॉरेस्ट आफीसर श्री डी. पी. गुप्ता उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम के कप्तानों को सम्मानित किया। डी. एफ. ओ. महोदय ने अपने वक्तव्य

Scanned by CamScanner

में खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए आशा व्यक्त की कि सभी खिलाड़ी राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भाग लेकर महाविद्यालय का नाम रोशन करेंगे। अन्त में प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। खेल सप्ताह के दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन में प्रबन्धक श्री मनोज यादव, डा. एस. एस. यादव, डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ, डा. प्रमोद कुमार, डा. हीरेश गोयल, डा. राजेश कुमार कुशवाहा, डा. विवेक मिश्र, श्री ललित वार्ष्णेय, डा. ललित उपाध्याय, डा. शचि भारती, श्री पुष्पेन्द्र सिंह, डा. कुँवरपाल सिंह, डा. विकेश चन्द्र गुप्ता, श्री वीरेन्द्र पाल सिंह, श्री मनोज कुमार, कु. शालिनी शर्मा तथा डा. बी. डी. उपाध्याय आदि का विशेष सहयोग रहा। पूरा आयोजन प्राचार्य जी की देखरेख में हुआ।

वनस्पति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 11 फरवरी, 2014 को टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ में वनस्पति विज्ञान की अध्यक्षा डा. रेखा आर्या ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **"डी. एन. ए. की संरचना एवं द्विगुणन"** विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि डी.एन.ए. पर उपस्थित जीन के द्वारा ही अनुवांशिक लक्षण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जाते हैं। डी.एन.ए. की संरचना द्विकुण्डलित होती है, जिसके एक कुण्डलन में दस बेस पैयर होते हैं, जिसमें ऐडीनीन, थाईमीन से तथा साईटोसीन ग्वानीन से जुड़े रहते हैं। डी.एन.ए. से डी.एन.ए. का बनना द्विगुणन कहलाता है। डी.एन.ए. से आर.एन.ए. का बनना ट्रांसक्रिप्शन कहलाता है तथा आर.एन.ए. से प्रोटीन का बनना ट्रांसलेशन कहलाता है। उन्होंने प्रोटीन संश्लेषण के विषय में विद्यार्थियों को विस्तार से समझाया। कार्यक्रम का संचालन डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ तथा डा. प्रमोद कुमार ने किया। उप प्राचार्य डा. एस.एस. यादव ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

वार्षिकोत्सव का आयोजन : 13 फरवरी, 2014 को ज्ञान महाविद्यालय परिसर स्थित संतोष वाटिका में महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अलीगढ़ मण्डल के अपर आयुक्त श्री देवेन्द्र दीक्षित तथा वरिष्ठ जेल अधीक्षक, अलीगढ़ श्री एस. पी. यादव क्रमशः मुख्य अतिथि एवं गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित हुए। अलीगढ़ विकास प्राधिकरण बोर्ड के सदस्य श्री कृपाल सिह ने भी विशेष अतिथि के रूप में भाग लिया। महाविद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, सचिव श्री दीपक गोयल, डा. गौतम गोयल, कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद के साथ-साथ मथुरा से पधारे विशेष अतिथि सर्वश्री अनिल खण्डेलवाल, आर.पी. सक्सैना, सुरेश चन्द्र सक्सैना, चन्द्रशेखर शर्मा तथा श्रीमती शीला गर्ग आदि कार्यक्रम में उपस्थित थे। महाविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने महाविद्यालय की शुरू से अब तक की प्रगति से उपस्थित व्यक्तियों को अवगत कराया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करके उपस्थित व्यक्तियों का मन मोह लिया। महाविद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी ने महाविद्यालय के प्राध्यापकों सर्वश्री पुष्पेन्द्र सिंह, रंजन सिंह, डा. रेखा शर्मा, डा. ललित उपाध्याय तथा डा. रत्नप्रकाश को डा. बी. डी. गुप्ता मैमोरियल बेस्ट टीचर अवार्ड दिया। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री अनिल खन्डेलवाल ने सर्वश्री भरत दुबे (लेखाधिकारी), नवीन वार्ष्णेय (कम्प्यूटर ऑपरेटर) तथा दीपेश यादव (आई.टी.आई. मैनेजर) को श्री राजपाल सिंह मैमोरियल अवार्ड से सम्मानित किया। कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों सर्वश्री हरस्वरूप, राकेश कुमार, प्रमोद कुमार तथा श्रीमती वीनाशर्मा को श्री महावीर सिंह मैमोरियल अवार्ड दिया।

- डा. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा 2013 में आयोजित विभिन्न कक्षाओं की परीक्षा में महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अपर आयुक्त महोदय तथा वरिष्ठ जेल अधीक्षक महोदय ने सम्मानित किया। महाविद्यालय तथा अन्तर्महाविद्यालय स्तर पर आयोजित साहित्यिक गतिविधियों व खेल प्रतियोगिताओं में विशिष्ट स्थान प्राप्त करने वाले अपने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को श्री आर.पी. सक्सैना जी ने पुरस्कृत किया।
- सभी अतिथियों व गणमान्य व्यक्तियों ने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'ज्ञान पुष्प 2013-14'** का विमोचन किया। वार्षिक खेलकूद सप्ताह में हुयी विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में विजेता तथा उप विजेता टीम के सदस्यों को अतिथि श्री चन्द्रशेखर शर्मा, श्रीमती शीला गर्ग, श्री आर. पी. सक्सैना, डा. गौतम गोयल, श्री देशराज सिंह, श्री कृपाल सिंह, श्रीमती मोहिनी गुप्ता तथा संत रामकृष्ण मिशन के सचिव श्री चावला जी ने पुरस्कृत किया। गेस्ट ऑफ ऑनर श्री एम. पी. यादव ने अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को हम सब मिलकर ही समाप्त कर सकते हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्राध्यापक अपने आचरण से विद्यार्थियों को नसीहत दें, मन, वचन तथा कर्म में समानता होना जरूरी है।

- सचिव महोदय ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हों ताकि हम उन्हें 30 प्रतिशत फीस छात्रवृत्ति के रूप में दे सकें। अन्त में सचिव महोदय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन डा. रेखा शर्मा, डा. ललित उपाध्याय, डा. एस.एस. यादव, डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ तथा डा. जे. के. शर्मा ने किया। कार्यक्रम के आयोजन की पूरी व्यवस्था श्री मनोज यादव के पर्यवेक्षण में हुयी। कार्यक्रम के औपचारिक समापन के बाद सभी उपस्थित लोगों ने शाकाहारी भोजन किया। भोजन की व्यवस्था ज्ञान परिवार ने की।

रोजगार एवं परामर्श समिति द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन : 24 फरवरी, 2014 को महाविद्यालय की रोजगार एवं परामर्श समिति के तत्वावधान में बी.बी.ए. विभाग के प्रवक्ता श्री अभिषेक बघेल ने **"व्यक्तित्व विकास"** पर व्याख्यान दिया। इस आयोजन में सभी संकायों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। श्री बघेल ने बताया कि व्यक्तित्व विकास के लिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति स्वस्थ रहकर स्वयं को जाने और निष्पक्ष रूप से अपने कार्यों का विश्लेषण करें। ओजस्वी भाव, दृढ़ विश्वास, धैर्य, सहनशीलता आदि गुण व्यक्तित्व के विकास में सहायक

Scanned by CamScanner

होते हैं। साथ ही धैर्य एवं संयम का सदुपयोग करने वाले तथा तनाव मुक्त वातावरण में रहने वाले व्यक्तियों के व्यक्तित्व का विकास सहजरूप से होता है। कार्यक्रम का संयोजन समिति के प्रभारी श्री गिर्राज किशोर ने किया।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम : 25 फरवरी, 2014 को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा एन.आई.ई.एम., फरह (मथुरा) के संयुक्त तत्वावधान में हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में **'उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम'** की शुरूआत की गयी। हमारे महाविद्यालय के बी.एस–सी. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने की तथा संचालन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) के कार्यक्रम समन्वयक श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा ने किया। श्री शर्मा ने सरकारी नौकरी, प्राइवेट नौकरी एवं स्वरोजगार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वक्षमता को पहचानने तथा उसमें वृद्धि करने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

● कार्यक्रम के दूसरे दिन जिला उद्योग केन्द्र, अलीगढ़ के मुख्य प्रबन्धक श्री वाई. पी. गुप्ता तथा सह प्रबन्धक श्री डी.वी.एस. चौहान ने क्रमशः मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन व केन्द्र तथा राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे उद्यम विकास कार्यक्रमों की विस्तृत

जानकारी दी तथा कम्प्यूटर की गहन जानकारी पर बल दिया और बताया कि जिला उद्योग केन्द्र से सम्बन्धित पूरी जानकारी ऑन लाइन उपलब्ध है। उप प्राचार्य डा. एम.एस. यादव ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम का आयोजन हमारे महाविद्यालय की रोजगार एवं परामर्श समिति ने किया।

युवा वर्ग को स्वरोजगारोन्मुख शिक्षा विषयक सेमीनार का आयोजन : 5 मार्च, 2014 को सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तरीय उद्यम विकास संस्थान, नुनहाई (आगरा) ने हमारे महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय के सहयोग से वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए स्वराज्य सभागार में **'युवा वर्ग को स्वरोजगारोन्मुख शिक्षा'** विषय पर संगोष्ठी आयोजित की। संस्थान के इन्वेस्टीगेटर श्री सुनील कुमार ने आज की बढ़ती औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के युग में युवाओं को सलाह दी कि वे अपनी स्वरोजगारोन्मुखी प्रतिभा का विकास करें। जिला उद्योग केन्द्र, अलीगढ़ के प्रबन्धक श्री एल.एन. अग्रवाल ने स्वरोजगार विकसित करने हेतु भूमि, पूँजी, श्रम, शक्ति, साहस, जोखिम तथा अनिश्चितता के संदर्भ में जिला उद्योग केन्द्र की भूमिका बतायी। एफ.एल.सी.सी. के वित्तीय सलाहकार श्री एन.पी. सिंह ने उद्योगों के संचालन हेतु संस्थागत ऋणों पर प्रकाश डाला। मण्डल स्तरीय लीड बैंक मैनेजर तथा केनरा बैंक, अलीगढ़ के श्री शंकरलाल वर्मा ने उद्योगों के सफल संचालन में बैंकों के सहयोग सम्बन्धी जानकारी दी। प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तर के उद्योगों में रोजगार एवं स्वरोजगार प्राप्त करके ही युवा वर्ग देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकता है। वाणिज्य संकाय प्रभारी डा. जे. के. शर्मा द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम स्तरीय उद्योगों के संचालन में विनियोग एवं ऋण की सीमा का उल्लेख किया गया। डा. राजेश कुमार कुशवाहा एवं डा. हीरेश गोयल ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव एवं अनेक प्राध्यापकों ने चर्चा में भाग लिया। वाणिज्य के लगभग 250 विद्यार्थियों ने उक्त संगोष्ठी में भाग लिया।

बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह : 6 मार्च, 2014 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में समारोह आयोजित कर बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दी गयी। कार्यक्रम का संचालन बी.एस–सी. प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने किया। लकी चेयर का पुरस्कार कु. रिंकी सिंह तथा अर्जुन कुमार को दिया गया। कैलाश कुमार व पारुल ने चुटकुले, मंजीत ने रैप व मिशैल ने नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से पासिंग पार्सल तथा पेपर डान्स आदि मनोरंजक खेल भी खेले गये। प्रबन्धक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य जी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। विज्ञान संकाय प्रभारी डा. एस. एम. यादव ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं की तैयारी पूरे मनोयोग से करने की सलाह दी। कार्यक्रम का संयोजन डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ ने किया। सभी उपस्थित प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बी. ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह : 8 मार्च, 2014 को महिला दिवस पर स्वराज्य सभागार में समारोह आयोजित कर बी. ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को विदाई दी गयी। समारोह की अध्यक्षता प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता ने की। समारोह के दौरान अनेक विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी संजय कुमार को मिस्टर फेयरवेल तथा सविता शर्मा को मिस फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम का संचालन छात्र गौरव कुमार ने किया। कार्यक्रम का संयोजन कला संकाय के प्राध्यापकों के सहयोग व कला संकाय प्रभारी डा. विवेक मिश्र के निर्देशन में डा. वीना अग्रवाल ने किया। सभी विजेताओं को प्राचार्य तथा उप प्राचार्य ने संयुक्तरूप से पुरस्कृत किया। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राष्ट्रीय पेंशन योजना पर गोष्ठी का आयोजन : 10 मार्च, 2014 को ज्ञान भवन के सभागार में वाणिज्य संकाय ने इस गोष्ठी का आयोजन किया। इस गोष्ठी में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया। ग्लोबल एजूकेशन सोसाइटी के चेयरमैन डा. गिरीश कुमार वार्ष्णेय ने इस गोष्ठी में संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लिया। डा. वार्ष्णेय ने बताया कि यह योजना देश के 18 से 60 वर्ष के सभी नागरिकों के लिए है। योजना में व्यक्ति अपनी सुविधानुसार प्रतिवर्ष रुपये 1,000 से रुपये 12,000 तक जमा करके भारत सरकार से प्रतिवर्ष रु. 1,000 अनुदान प्राप्त कर सकता है। डा. वार्ष्णेय ने प्राध्यापकों द्वारा इस योजना के सम्बन्ध में किये गये प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। अन्त में प्राचार्य

Scanned by CamScanner

डा. वाई. के. गुप्ता ने डा. वार्ष्णेय का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी का संयोजन डा. जे. के. शर्मा ने किया।

स्काउट एवं गाइड शिविर का आयोजन : 10 मार्च, 2014 से 15 मार्च, 2014 तक बी.एड. के विद्यार्थियों के लिए महाविद्यालय परिसर में स्काउट एवं गाइड शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि डा. दुष्यंत कुमार सक्सैना (जिला स्काउट कमिश्नर, अलीगढ़ ने ध्वजारोहण कर शिविर की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। शिविर के दौरान मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वाह श्री यतेन्द्र कुमार सक्सैना ने किया। बी.एड. विभाग के अध्यक्ष डा. खजान सिंह ने शिविर के सफल संचालन के लिए क्रमांक 1 से 100 तक के विद्यार्थियों का प्रभारी अपने विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती रंजना सिंह, प्राध्यापक श्री लखमीचन्द्र एवं श्रीगिरिराज किशोर को संयुक्त रूप से बनाया। क्रमांक 101 से 200 तक के विद्यार्थियों का प्रभारी प्राध्यापिका कु. शालिनी शर्मा तथा श्रीमती शिवानी सारस्वत को बनाया गया। विद्यार्थियों को 17 टोलियों में बाँटा गया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को स्काउट एवं गाइड शिविर के इतिहास, स्काउट एवं गाइड ताली, विशेष ताली, स्कार्फ लगाना, रस्सी से विभिन्न प्रकार

की गाँठें लगाना, ध्वज शिष्टाचार, प्रार्थना गीत, नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धान्त, सीटी, संकेत, टैण्ट लगाने आदि के बारे में सिखाया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मिलजुल कर कार्य करने के साथ-साथ सामाजिक मूल्य व देशभक्ति के मूल्यों का विकास करना है। सभी 17 टोलियों ने अलग-अलग शिविर लगाकर नाटक प्रस्तुत किए और पाककला का प्रदर्शन किया, जिसमें भारतीय संस्कृति की स्पष्ट झलक दृष्टिगोचर हो रही थी।

- 15 मार्च, 2014 को हुए समापन समारोह की मुख्य अतिथि यू. एस.ए. स्थित विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डा. लक्ष्मी गोयल थीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में डा. रमेन गोयल (सर्जन) डा. राजीव सूद (सर्जन) तथा श्री ऋषि गोयल के साथ-साथ सचिव श्री दीपक गोयल और डा. गौतम गोयल भी समारोह में उपस्थित थे। स्काउट टीम के समन्वयक श्री यतेन्द्र सक्सैना पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का स्वागत स्काउट एवं गाइड रीति के अनुसार काफी गर्मजोशी से किया गया। विद्यार्थियों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम व शिक्षा प्रद नाटक आदि प्रस्तुत किये। वर्ष के दौरान विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक, खेलकूद तथा साहित्यिक गतिविधियों में विशेष स्थान पाने वाले बी.एड. के विद्यार्थियों को अतिथियों ने सम्मानित किया। आवश्यकतानुसार मंच का संचालन बी.एड. की छात्रा श्रीमती पूनम यादव तथा प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी, श्रीमती सरिता याज्ञनिक, डा. रेखा शर्मा, श्रीमती मधु चाहर तथा कु. शालिनी शर्मा आदि ने किया।
- सचिव महोदय ने सभी अतिथियों का संक्षिप्त परिचय दिया। डा. लक्ष्मी गोयल ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पूरी लगन से पढ़ाई करें तथा पाठ्यक्रम सहगामी गतिविधियों में भी रुचि लें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जीवन में सफलता के लिए अपने विषय में महारथ हासिल करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है। श्री ऋषि गोयल ने कहा कि सभी विद्यार्थी महाविद्यालय में उपलब्ध सभी सुविधाओं का पूरा लाभ उठायें। डा. राजीव सूद ने कहा कि इस महाविद्यालय में शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है, यह प्रसन्नता की बात है। डा. रमेन गोयल ने कहा कि यहाँ के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम से पता चलता है कि वे आज की व्यवस्था से परेशान हैं, उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे भावी अध्यापक होने के नाते स्वयं की क्षमता में द्विगुणित वृद्धि करें, तभी वे समाज को सुधार सकते हैं। अन्त में सचिव महोदय ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। पूरे कार्यक्रम का आयोजन प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य तथा उप प्राचार्य जी के निर्देशन में हुआ।

होलिकोत्सव का आयोजन : 15 मार्च, 2014 को महाविद्यालय में होलिकोत्सव का आयोजन किया गया, इसी दिन बी.एड. के स्काउट एवं गाइड शिविर का समापन था। समापन समारोह में शामिल हुए सभी अतिथियों, विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों आदि ने होलिकोत्सव में भाग लिया। सबने सामूहिक रूप से होली का जश्न मनाया। ज्ञान परिवार ने सबके खाने की व्यवस्था की।

बी.टी.सी. के विद्यार्थियों को 'थ्री ईडिएट' फिल्म दिखाई : 22 मार्च, 2014 को महाविद्यालय के आई.सी.टी. रिसार्स सेन्टर में बी.टी.सी. प्रथम व द्वितीय सत्र के विद्यार्थियों व प्राध्यापकों को संयुक्त रूप से **'थ्री इडिएट'** फिल्म दिखाई गयी। इस ढाई घंटे की फिल्म में दिखाया गया था कि यदि विद्यार्थियों की रुचि एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनको शिक्षा दी जाये तो वह शिक्षा अधिक सार्थक एवं उपयोगी सिद्ध होती है। फिल्म दिखाने के बाद विद्यार्थियों के बीच सामूहिक चर्चा करायी गयी, जिससे यह निष्कर्ष निकला कि सभी विद्यार्थी व प्राध्यापक अपने भावी जीवन में उक्त फिल्म से प्राप्त सीख का उपयोग करेंगे।

- उपर्युक्त कार्यक्रम का आयोजन आई.सी.टी. प्रभारी श्री पुष्पेन्द्र सिंह ने बी.टी.सी. विभागाध्यक्ष श्री रामकिशन शर्मा के निर्देशन में प्राध्यापकों के सहयोग से किया।

दैनिक जागरण के जन जागरण अभियान में सहभाग : दैनिक जागरण के जन जागरण अभियान के तहत 24 मार्च, 2014 को जन जागरण रथ हमारे महाविद्यालय में आया। इस रथ का स्वागत सचिव श्री दीपक गोयल, डा. गौतम गोयल, प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डा. एस. एस. यादव तथा सभी प्राध्यापकों ने किया। कालिज की एन.एस.एस. इकाई के स्वेच्छा सेवियों के साथ-साथ अन्य सभी संकाय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने दैनिक जागरण द्वारा निर्धारित प्रारूप में अगली सरकार के लिए प्राथमिकतायें चुनी तथा लोकतांत्रिक सुधार पर अपना नजरिया स्पष्ट किया। कार्यक्रम का संयोजन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डा. ललित उपाध्याय ने किया।

Scanned by CamScanner

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान :

अ. हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तथा स्काउट एवं गाइड (बी.एड.) ने 13 मार्च, 2014 को सासनी गेट, अलीगढ़ से आगरा रोड, अलीगढ़ आबादी क्षेत्र तक **'मतदाता जागरूकता रैली'** का आयोजन किया। इस रैली में हमारे महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक, एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवी तथा बी.एड. के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी के 'स्वीप' कार्यक्रम के जिला समन्वयक डा. चन्द्रवीर सिंह ने हरी झण्डी दिखाकर रैली का शुभारम्भ किया। रैली का मुख्य उद्देश्य आगामी लोकसभा चुनाव हेतु मतदाताओं को जागरूक करना था। रैली का संयोजन एन.एस.

एस. के कार्यक्रम अधिकारी डा. ललित उपाध्याय तथा बी.एड. के विभागाध्यक्ष डा. खजान सिंह ने किया।

ब. 25 मार्च, 2014 को पी.डब्ल्यू.डी. गेस्ट हाउस, अलीगढ़ में चुनाव आयोग द्वारा नामित चुनाव पर्यवेक्षकों की गोष्ठी में हमारे महाविद्यालय के डा. ललित उपाध्याय ने भाग लिया तथा कॉलेज कैम्पस एम्बेसडर के रूप में महाविद्यालय के विद्यार्थी नरेन्द्र कुमार, प्रेमसिंह, अनीता कुमारी और प्रेम कुमारी को नामित करने की जानकारी दी। ये नामित विद्यार्थी **'वोटर्स इन्फोरमेशन सिस्टम'** के तहत एसएमएस द्वारा वोटर्स के मतदान बूथ का ब्यौरा देने तथा रैली आदि कार्यक्रमों में सहयोग का कार्य किया। जिला निर्वाचन अधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, नोडल प्रभारी 'स्वीप', ए.डी.एम. (वित्त) तथा जिला समन्वयक 'स्वीप' आदि ने उक्त गोष्ठी में भाग लिया।

स. 28 मार्च, 2014 को उत्तर प्रदेश शासन के अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा अलीगढ़ के कलेक्ट्रेट कक्ष में वीडियो कान्फ्रेंसिंग की गई। इस कार्यक्रम में नोडल अधिकारी स्वीप, ए.डी.एम. (वित्त), मुख्य चिकित्साधिकारी, लीड बैंक मैनेजर, जिला विद्यालय निरीक्षक, धर्मसमाज महाविद्यालय, अलीगढ़ तथा श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय अलीगढ़ की एन.एस.एस. इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी, मंगलायतन विश्वविद्यालय तथा ए.एम.यू. की एन.एस.एस. इकाईयों के समन्वयकों ने भाग लिया। हमारे महाविद्यालय के डा. ललित उपाध्याय ने उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर मतदाता जागरूकता के सम्बन्ध में अपने महाविद्यालय द्वारा किए गए प्रयासों का ब्यौरा दिया। कार्यक्रम का संयोजन जिला समन्वयक (स्वीप) डा. चन्द्रवीर सिंह ने किया।

द. 01 अप्रैल, 2014 को जिला निर्वाचन अधिकारी, अलीगढ़ के सहयोग से दैनिक जागरण द्वारा आयोजित 'वॉक फोर वोट' का शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी, ए.डी.एम. (वित्त), जिला क्रीड़ाधिकारी तथा नगर आयुक्त ने संयुक्त रूप से किया। हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डा. ललित उपाध्याय, कैम्पस एम्बेसडर गर्वश्री नरेन्द्र कुमार व प्रेमसिंह सहित अनेक स्वेच्छासेवियों ने उक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

देवी के गीतों का आयोजन : 04 अप्रैल, 2014 को महाविद्यालय परिसर में दुर्गा माता के गीतों का आयोजन किया गया। आयोजन के प्रारम्भ में दुर्गा माता की विधिवत पूजा-अर्चना की गयी। इस आयोजन में वाणिज्य कर आयुक्त, एस.पी. सिटी की धर्मपत्नी श्रीमती प्रीति पाण्डे, जी.ओ. सिटी की धर्मपत्नी श्रीमती रूबी सिंह, धर्मसमाज महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. पी. के. शर्मा, डॉ. डी. के. गौड़, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. सुभाष चौधरी, डॉ. वाई. पी. सिंह तथा डॉ. आशीष दत्त ने अतिथि के रूप में भाग लिया।

- महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल, डॉ. गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता और उप प्राचार्य डॉ. एस. एस. यादव के साथ-साथ सभी प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर वर्ग एवं अनेक विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लिया।
- उक्त सभी व्यक्तियों ने पूजा, अर्चना एवं गीतों में देवी माँ का गुणगान किया। अन्त में सभी को माता का प्रसाद दिया गया तथा भोजन की व्यवस्था सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए की गयी। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रेखा शर्मा ने किया।

क्वालिटी काउंसिल आफ इण्डिया की नवीं कान्क्लेव में सहभागिता : ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता, उप प्राचार्य डा. एस. एस. यादव, विभागाध्यक्ष बी.टी.सी. श्री आर. के. शर्मा, प्राचार्य आई. टी. आई. श्री वीरेन्द्र सिंह ने दिल्ली के प्रसिद्ध होटल लीमेरीडियन में क्वालिटी काउंसिल आफ इण्डिया द्वारा 15-16 अप्रैल, 2014 को आयोजित नवीं कान्क्लेव में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्यू.सी. आई. के चेयरमैन श्री के. सी. शर्मा ने किया। देश-विदेश से आए विद्वानों, शिक्षाविदों एवं तकनीकी विशेषज्ञों आदि ने **'उच्च-शिक्षा में गिरते स्तर को कैसे सुधारा जाए एवं गुणात्मक शिक्षा को कैसे बनाया जाए'**, पर जोर दिया। इसी प्रकार तकनीकी शिक्षा खासकर आई. टी. आई. पर भी विस्तृत चर्चा अतिथि व्याख्यानों के तहत दी गई। आज देश सबसे पुराना तकनीकी कोर्स गर्त में चला। इसका कारण उन्होंने नित नए पौलीटक्निक व बी.टैक के कालिजों का खुलना बताया। जर्मनी की प्रोफेसर वेलिण्डा स्मिथ ने कहा कि हमारे यहां पढ़ाई के साथ कमाई का ट्रेण्ड है, जिससे छात्र आसानी से शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। एन.सी.ई. आर.टी. के व्याख्याता श्री कीर्ति कपूर ने कहा कि मेण्टर पालिसी को लागू किया जाना चाहिए तथा अध्यापक सभी वस्तुओं का केन्द्र है। श्री आर.एन. सिंह (डिप्टी जनरल, रोजगार एवं श्रम मंत्रालय) ने कहा कि आज छात्र के कौशल विकास की जरूरत है। यू. एन. खावरे (सचिव, एन.आई. ओ.एस.बोर्ड) ने कहा कि सबसे पहले प्लानिंग, फिर इम्लीमेण्टेशन, इवेलुएशन व रिव्यू का क्रम होना चाहिए। श्री अमरजीत सिंह (सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय) ने कहा कि बॉस वही अच्छा है जो अच्छे बॉस उत्पन्न करे।

Scanned by CamScanner